



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 18-09-2026

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-09-18 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-09-19	2026-09-20	2026-09-21	2026-09-22	2026-09-23
वर्षा (मिमी)	2.0	2.0	1.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	25.0	26.0	26.0	26.0	26.0
न्यूनतम तापमान(से.)	14.0	15.0	15.0	15.0	15.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	80	78	79	80	75
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	56	52	52	51	48
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	6	5	5
पवन दिशा (डिग्री)	275	280	290	300	310
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	0	0	0	0
चेतावनी	आंधी और बिजली, तूफान आदि	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

आने वाले दिनों में इस इलाके में 1-2 मिमी की बहुत हल्की बूँदा-बांदी होने की उम्मीद है, और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 25-26°C और 14-15°C रहने का अनुमान है। हवा के पश्चिम, पश्चिम-उत्तर, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, उत्तर-पश्चिम-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम दिशाओं से 5-6 kmph की रफ़्तार से चलने की संभावना है। 18 सितंबर को बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं के साथ आंधी-तूफान आने को लेकर 'येलो वॉर्निंग' जारी की गई है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

कोई असर नहीं

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

कोई सलाह नहीं

सामान्य सलाहकार:

किसान और उनसे जुड़े लोग मौसम की नियमित जानकारी, बारिश की चेतावनी और फसल से जुड़ी सलाह पाने के लिए "मौसम" और "मेघदूत" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। बिजली गिरने की जानकारी के लिए "दामिनी" ऐप भी उपलब्ध है। मेघदूत और मौसम ऐप अब क्राउडसोर्सिंग का भी इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे आईएमडी को किसानों से डेटा इकट्ठा करने और मौसम का अनुमान लगाने व खेती के कामों में इसके इस्तेमाल को और बेहतर बनाने में

मदद मिलेगी। इन सभी ऐप्स को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र्स के लिए) और एप्प स्टोर (आईओएस यूज़र्स के लिए) से आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है। लंबे समय के अनुमान के मुताबिक, 18.09.2026 से 24.09.2026 के दौरान बारिश में काफी कमी और अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य रहने की संभावना है। एनडीवीआई वैल्यू से ज़िले में खेती की अच्छी से बहुत अच्छी स्थिति का पता चलता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आने वाले हफ्ते में ज़्यादा बारिश की उम्मीद नहीं है, इसलिए फ़सलों में सिंचाई करनी चाहिए और किसी भी तरह के केमिकल का इस्तेमाल आने वाले हफ्ते के लिए तय करना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	सिंचाई तभी करें जब ज़रूरत हो। बैक्टीरियल ब्लाइट के लक्षण दिखने पर, प्रति हेक्टेयर 1000 लीटर पानी में 15 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन और 500 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड मिलाकर छिड़काव करें। वहीं, अगर स्टेम बोरर का हमला आर्थिक नुकसान के स्तर से ऊपर हो, तो प्रति हेक्टेयर 500-600 लीटर पानी में क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 20 एससी (150 मिली/हेक्टेयर) या फिप्रोनिल 5 एससी (1.0 लीटर/हेक्टेयर) या कार्टाप हाइड्रोक्लोराइड 50 डब्लूपी (600 ग्राम/हेक्टेयर) मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। आम कीट 'ब्राउन प्लांट हॉपर' के दिखने पर किसानों को प्रति हेक्टेयर 500 लीटर पानी में फिप्रोनिल 5 एससी (1000 मिली) या थियामेथोक्सम 25 डब्लूएसजी (100 ग्राम) मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। सभी केमिकल का छिड़काव साफ़ मौसम में ही करना चाहिए।
मक्का	ऊँचे पहाड़ी इलाकों में फसल की ठीक से निगरानी करें और भुट्टे बनने के समय मिट्टी में नमी बनाए रखने के लिए हल्का पानी दें। झुलसा रोग (ब्लाइट) दिखने पर प्रति हेक्टेयर 750-800 लीटर पानी में 1.5-2.0 किलोग्राम मैकोज़ेब या ज़िनेब 75 डब्लूपी का छिड़काव करें। दूसरा छिड़काव 10-15 दिनों के अंतराल पर किया जाना चाहिए। रसायनों का छिड़काव साफ़ मौसम में करें और तेज़ हवा चलने पर इससे बचें। मक्के की जल्दी पकने वाली किस्मों की कटाई करें और भंडारण से पहले उन्हें अच्छी तरह सुखा लें।
रागी	देर से पकने वाली बाजरा की किस्मों में फसल पर नज़र रखें क्योंकि तना छेदक कीट फसल को नुकसान पहुँचाता है। इससे बचाव के लिए, प्रभावित हिस्से पर 500-600 लीटर पानी में घुली हुई 1 लीटर Fipronil 5 एससी या 2.5 लीटर क्लोरपैरिफोस 20 ईसी का छिड़काव करना चाहिए। पक चुकी रागी (फिंगर मिलेट) की किस्मों की कटाई करें और भंडारण से पहले उन्हें अच्छी तरह सुखा लें।
सोयाबीन	फसल की नियमित निगरानी करें और अगर तना मक्खी का प्रकोप दिखे, तो 700-800 लीटर पानी में 150 मिली क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5 एससी मिलाकर छिड़काव करें।
अरहर (लाल चना/अरहर)	फलियाँ लगने पर मिट्टी में नमी बनाए रखें और सूखा होने पर फसल की हल्की सिंचाई करें। फूल आने के समय खेत में 'पॉड बोरर' (फली छेदक कीट) दिखने पर 5-6 फेरोमोन ट्रेप प्रति हेक्टेयर लगाएं। अगर लगातार दो-तीन दिनों तक हर ट्रेप में 5-6 कीट (मॉथ) दिखें, तो इनमें से किसी एक दवा का इस्तेमाल करें: 0.5 पी वी 500 बोरर इक्विवैलेंट, बी टी 1 किग्रा/हेक्टेयर, निम्बोली 5% + 1% साबुन का घोल, इंडोक्साकार्ब 14.5 इसी 353-400 मिली या एमेमेक्टिन बेंजोएट 5 एसजी 220 मिलीग्राम प्रति हेक्टेयर।
काला चना	पौधे के बढ़ने के समय फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए। बुवाई के बाद आखिरी महीने में खरपतवार हटाने का काम करना चाहिए और फलियाँ बनने के समय मिट्टी में नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करनी चाहिए। सफ़ेद मक्खी से फैलने वाले 'येलो मोज़ेक वायरस' के दिखने पर, 500-600 लीटर पानी में 0.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से 'पाइरीप्रॉक्सीफेन 10 इसी' मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करें। फसल के पक जाने पर उसकी कटाई करें और अच्छी तरह सुखाने के बाद ही उसका भंडारण करें।
मूँग	पौधे के बढ़ने के समय फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए। बुवाई के बाद आखिरी महीने में खरपतवार हटाने का काम करना चाहिए और फलियाँ बनने के समय मिट्टी में नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करनी चाहिए। सफ़ेद मक्खी से फैलने वाले 'येलो मोज़ेक वायरस' के दिखने पर, 500-600 लीटर पानी में 0.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से 'पाइरीप्रॉक्सीफेन 10 इसी' मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करें। फसल के पक जाने पर उसकी कटाई करें और अच्छी तरह सुखाने के बाद ही उसका भंडारण करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	पौधे लगाने के चार से छह हफ्ते बाद हल्की गुड़ाई करनी चाहिए और जड़ों पर मिट्टी चढ़ानी चाहिए। खरपतवार के रासायनिक नियंत्रण के लिए, पौधे लगाने से एक दिन पहले 1.0 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से फ्लुक्लोरालिन (सक्रिय तत्व) का इस्तेमाल करना चाहिए।
मूली	मूली की फसल में मिट्टी में नमी बनाए रखें और ज़रूरत के हिसाब से सिंचाई करें। बुवाई के तुरंत बाद हल्की सिंचाई करें और 3-4 पत्तियां निकलने पर दूसरी बार सिंचाई करें।
गाजर	बीज अंकुरित होने के बाद नियमित रूप से खरपतवार निकालते रहना चाहिए और पौधों के बीच 6-10 सेमी की दूरी बनाए रखनी चाहिए। ज़रूरत पड़ने पर सिंचाई करें।
बाकला	इस महीने में बुवाई की जा सकती है और बुवाई के तुरंत बाद मिट्टी में नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई की जा सकती है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	15 दिनों के बाद बछड़ों को कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, जिंक, आयरन, आयोडीन और कॉपर जैसे तत्व नमक के मिश्रण या मिनरल ड्रॉप्स के रूप में खिलाने चाहिए।
भेंस	'फूट-रॉट' बीमारी से बचाव के लिए, जानवरों के खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मलिन घोल या 5% नीले घोल में डुबोना चाहिए।
बकरा	ग्रामीण इलाकों में बकरियों को टेटनस टॉक्साइड के दो टीके लगाए जाने चाहिए—एक टीका एक महीने की उम्र में और दूसरा 5 महीने की उम्र में—ताकि नवजात मेमनों को टेटनस की बीमारी न हो।
भेड़	ग्रामीण इलाकों में भेड़ों को टेटनस टॉक्साइड के दो टीके लगाए जाने चाहिए—एक टीका एक महीने की उम्र में और दूसरा 5 महीने की उम्र में—ताकि नवजात मेमनों को टेटनस की बीमारी न हो।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

कोई असर नहीं

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

कोई सलाह नहीं

Farmers are advised to download Unified  "Mausam" and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details